समीक्षा : २०१२ - २०१३

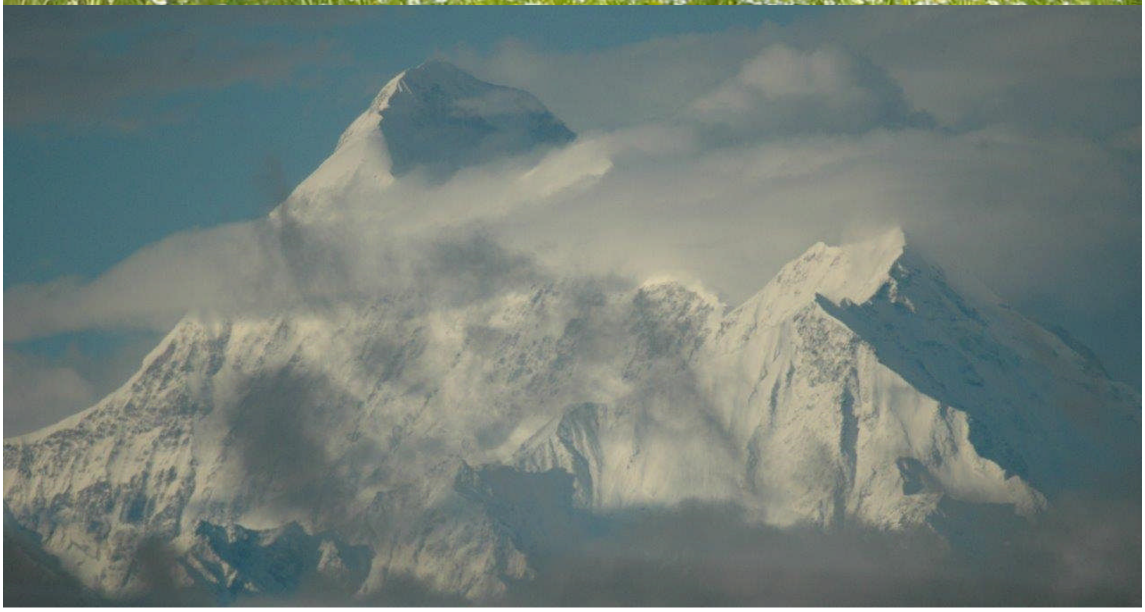

Ekfgyk meax izksM~;wlj dEiuh fyfeVsM

Ikfjp;

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। mex dk y{; iorh; efgyk mRikndk dk vkthfodk d volj inku dj mud thou e x.kkRed l/kkj ykuk gA

इस संगठन की यात्रा सन् 2001 में पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में एक स्वयं सेवी संस्था महिला उमंग समिति के रुप में आरम्भ हुई।

महिला उमंग समिति सन् 2001 से स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही है। आजीविका विकास कार्यक्रमों के आठ साल के सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप महिला उमंग समिति के सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श द्वारा उमंग को स्वयं सेवी संस्था से बदलकर प्रोड्यूसर/उत्पादक कम्पनी करने का प्रस्ताव फरवरी 2008 में पारित किया।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक, बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिशचित किया गया। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा यह सुनिशचित करने में सहायक होता है कि बढ़ते उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचे।

आने वाले कुछ वर्षों में उमंग का लक्ष्य 3,000 (तीन हज़ार) उत्पादक सदस्यों को ₹ 15,000 (पंद्रह हज़ार) प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित कराना है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के 8 विकासखण्डों के लगभग 100 गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के 33 गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक 1,264 (एक हजार दो सौ चौंसठ) सदस्यों द्वारा उमंग की सदस्यता ग्रहण की जा चुकी है।

meaxa vkthfodk dk;Øe % ,d >yd

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

Ø- l-	dk;Øe dk uke	dqy ykHkkfUor lnL;	dqy mRiknu		lnL;ksa dh mRiknu ls vk; ₹	lnL;ksa dks dqy Ckksul ₹	lnL;ksa dh dqy vk; ₹
			Ekk=k	eY; ₹			
1	बुनाई	711	12,031 पीस	61,27,310	19,15,039	1,50,000	20,65,039
2	फल संरक्षण	144	13,797 कि0	10,81,000	2,72,489	45,000	3,17,489
3	हिमखाद्य	686	30,839 कि0	37,07,076	19,78,633	75,000	20,53,633
4	शहद	8	2,554 कि0	4,71,213	2,74,436	5,000	2,79,436
	dqy	1]549		1]13]86]599	44]40]597	2]75]000	47]15]597

उपरोक्त 1,549 (एक हज़ार पांच सौ उन्चास) सदस्यों में से 222 (दो सौ बाईस) सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है। उमंग के द्वारा वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 1,327 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया, जिनमें कुल 78 प्रतिशत प्रतिभागी (1035 सदस्य) उमंग के अंशधारक हैं तथा 22 प्रतिशत प्रतिभागी (292 सदस्य) उमंग के अंशधारक नहीं हैं।

meaxa foØ; fooj.k

Øe l[;k	dk;Øe	xkzl fcØh ₹	usV fcØh ₹	fcØh esa Áfr bdkbZ ;ksxnku %
1	बुनाई	63,88,875	57,83,910	42
2	फल संरक्षण	26,72,658	22,16,133	16
3	हिमखाद्य	59,09,066	52,23,555	37
4	शहद	7,07,095	6,63,989	5
	dqy	1]56]77]694	1]38]87]587	100

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 8 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹ 1,38,87,587 (एक करोड़, अड़तीस लाख, सत्तासी हज़ार, पांच सौ सत्तासी) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 3,47,584 (तीन लाख, सैंतालीस हज़ार, पाँच सौ चौरासी) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

Øe l-	foØ; lzksr	usV fcØh ₹	usV fcØh %
1	हाउस ऑफ उमंग	29,47,017	21
2	हिमजोली	37,93,785	27
3	शॉप फॉर चेन्ज	25,97,420	19
4	फैब इंडिया	8,27,200	6
5	प्रदर्शनियां	18,23,246	13
6	इलैक्ट्रानिक पत्र (ई मेल)	13,30,791	10
7	स्वयं सहायता समूह	1,40,086	1
8	अन्य रिटेल के माध्यम	4,28,042	3
	dqy	1]38]87]587	100

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा ग्रासरूट्स संस्था के सहयोग से मुंबई, पुणे, बैंगलौर व दिल्ली इत्यादि कई बड़े महानगरों में 15 बड़ी कंपनियों को अपने उत्पादों की ₹ 25]97]420 ¼iPphl

yk[k] lÙkkuc gtkj½ की बिक्री दीपावली त्योहार में उपहार (कॉरपोरेट गिफ्टिंग) के रूप में की गयी। इस विक्रय में मुंबई की संस्था 'शॉप फॉर चेन्ज' का अत्यधिक योगदान रहा। इस दीपावली उपहार के विक्रय से कई महानगरों में उमंग के उत्पादों की गुणवत्ता का अच्छा प्रचार हुआ तथा वर्तमान में इन महानगरों में उमंग के कई नियमित ग्राहक भी बन गये हैं।

परिणाम स्वरूप उमंग के इलैक्ट्रानिक विक्रय (ई सेल) में भी वृद्धि हुई है, जो कि उमंग के उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पंहुचाने का एक अच्छा माध्यम है। आशा है कि भविष्य में भी उमंग को इन कंपनियों से 'कॉरपोरेट गिफ्टिंग' के लिए कुछ मांग मिलती रहेगी।

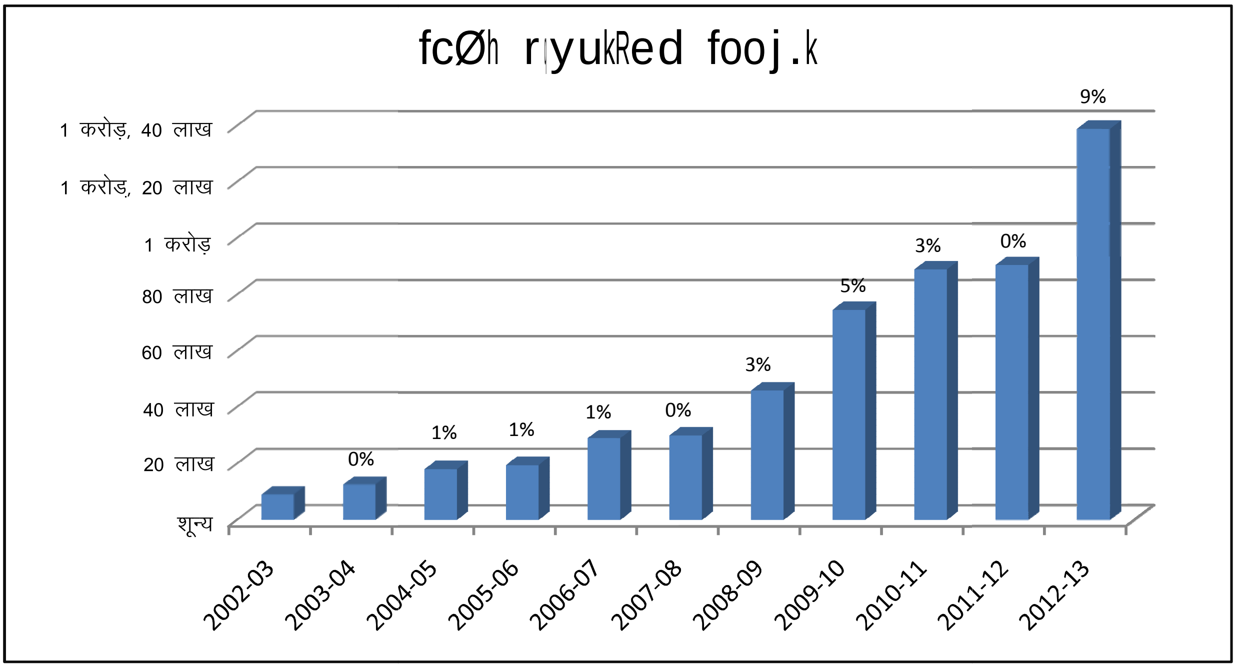

समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका कार्यक्रमों को अधिक सदृढ़ता प्रदान करने के साथ–साथ बाजार की मांग और उत्पादकों के हित को सोचते हुए कुछ नए प्रयास भी किये गये हैं।

1- cqukbZ dk;ØZe %

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त 82 महिला स्वयं सहायता समूहों की 711 महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप eas ₹ 17]53]039 ¼l=g yk[k] =siu gtkj] mUpkyhl½ अतिरिक्त आय व समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं ने उत्पादन के आधार पर ₹ 1]62]000 ¼,d yk[k] cklB gtkj½ आय अर्जित की] जिसका योग बुनाई कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का 33 प्रतिशत है, साथ ही वित्तीय वर्ष में ₹ 1]50]000 ¼,d yk[k] ipkl gtkj½ बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का 8 izfr'kr अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का एक तिहाई भाग बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

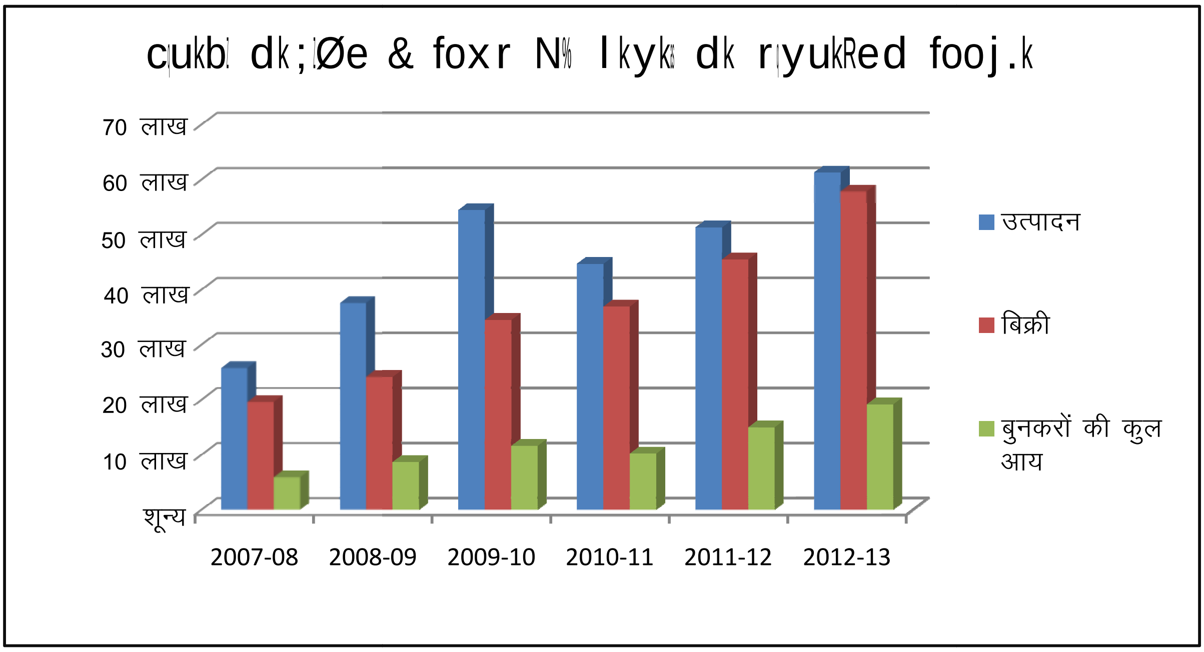

cqukbZ dk;ZØe dk Áfr x/kjk lafpr fooj.k rkfydk								
Øe la[;k	x/kjs dk uke	dqy xkao	dqy lnL;	dqy lewg	dqy mRiknu ¼ihl½	mRikn ls vk; ₹	cksul ls vk; ₹	dqy vk; ₹
1	दुसाद	10	176	28	2,299	4,10,890	35,005	4,45,895
2	गगास अन्य	4	102	8	1,883	3,42,280	29,723	3,72,003
3	गगास वैली	1	16	1	105	18,040	1,572	19,612
4	कनाड़ी	8	66	13	858	87,945	7,665	95,610
5	खिरो	1	10	1	242	20,795	1,224	22,019
6	कोसी	3	65	4	1,335	1,42,185	11,926	1,54,111
7	कुजगढ़	4	101	7	2,855	3,09,705	26,492	3,36,197
8	पनाई	2	44	9	769	1,05,859	9,160	1,15,019
9	रिसकन	1	10	1	190	12,445	1,084	13,529
10	सोमेश्वर	7	121	10	1,495	3,02,895	26,149	3,29,044
	dqy	41	711	82	12]031	17]53]039	1]50]000	19]03]039

cqukbZ mRiknd Js"B lewg						
fooj.k	Js.kh	lewg dk uke	x/kjs dk uke	mRikn ls vk; ₹	cksul ls vk; ₹	dqy vk; ₹
'kgjh {ks=	प्रथम	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	75,855	6,610	82,465
	द्वितीय	लक्ष्य समूह (मालरोड)	गगास अन्य	75,835	6,463	82,298
	तृतीय	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	69,435	5,861	75,296
xzkeh.k {ks=	प्रथम	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	55,455	4,768	60,223
	द्वितीय	प्रेरना समूह (दमतोला)	कोसी	55,335	4,396	59,731
	तृतीय	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	अन्य	48,435	4,221	52,656

ÁFke nl J"B cukbZ mRikn d InL;							
Øe	efgyk dk uke	InL;rk dkM	leg dk uke	x/kj dk uke	mRikn l vk; ₹	ckuI l vk; ₹	dy vk; ₹
प्रथम	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	15,150	1,320	16,470
द्वितीय	भावना सती	24	ज्योति समूह (मालरोड)	गगास अन्य	14,300	1,246	15,546
तृतीय	गंगा देवराड़ी	789	लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली)	गगास अन्य	13,975	1,218	15,193
चतुर्थ	ममता मलवाल	109	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	12,915	1,125	14,040
पंचम्	बसंती पवार	438	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	12,360	1,077	13,437
षष्टम्	मीरा पाण्डे	2645	जीवन ज्योति समूह (ताड़ीखेत)	गगास अन्य	12,240	1,067	13,307
सप्तम्	इन्द्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	12,110	1,055	13,165
अष्टम्	सरिता रावत	488	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	11,470	999	12,469
नवम्	सुनीता रौतेला	478	जीवन ज्योति समूह (ताड़ीखेत)	गगास अन्य	9,465	825	10,290
दशम्	मंजू कबडवाल	75	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	9,210	803	10,013

बुनाई कार्यक्रम में प्रथम आने वाली सदस्या, ग्राम कौसानी की निवासी 'श्रीमती माया खर्कवाल' विगत् 13 वर्षों से बुनाई सूची में निरन्तर अपना स्थान बनाती आयी हैं, वह अपने समूह की कोषाध्यक्षा हैं, इसके साथ ही वह कौसानी के उत्साह व सहयोग समूह के मार्गदर्शक की भूमिका भी प्रभावशाली ढंग से निभा रही हैं। समीक्षा वर्ष 2012–13 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 711 महिलाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार उनको बधाई देता है।

2- lajf{kr [kk| dk;Øe %

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित ,Q0 ,l0 ,l0 ,0 (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

bl o"kZ meZx u fuEufyf[kr mRikn cuk;s g&

Øe la[;k	mRikn dk uke	mRikn dk Ádkj
1	vpkj	uhcw] vke] ygl qu] gjh fepZ] vnjd
2	pVuh	vke] lye] [kqekuh
3	tSe	lye] [kqekuh] LVªkcsjh] dhoh
4	tSyh	lsc] uk'kikrh] ve#n
5	ekeZyM	ekYVk
6	'kgn	Ykhph] taxyh Qy

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 144 किसान परिवारों से ₹ 2]72]489 ¼nks yk[k] cgÙkj gtkj] pkj lkS uok lh½ के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। जो फल संरक्षण कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का 12 प्रतिशत है। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में ₹ 45]000 ¼iSarkyhl gtkj½ बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का 17 ifr'kr अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का 14 प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

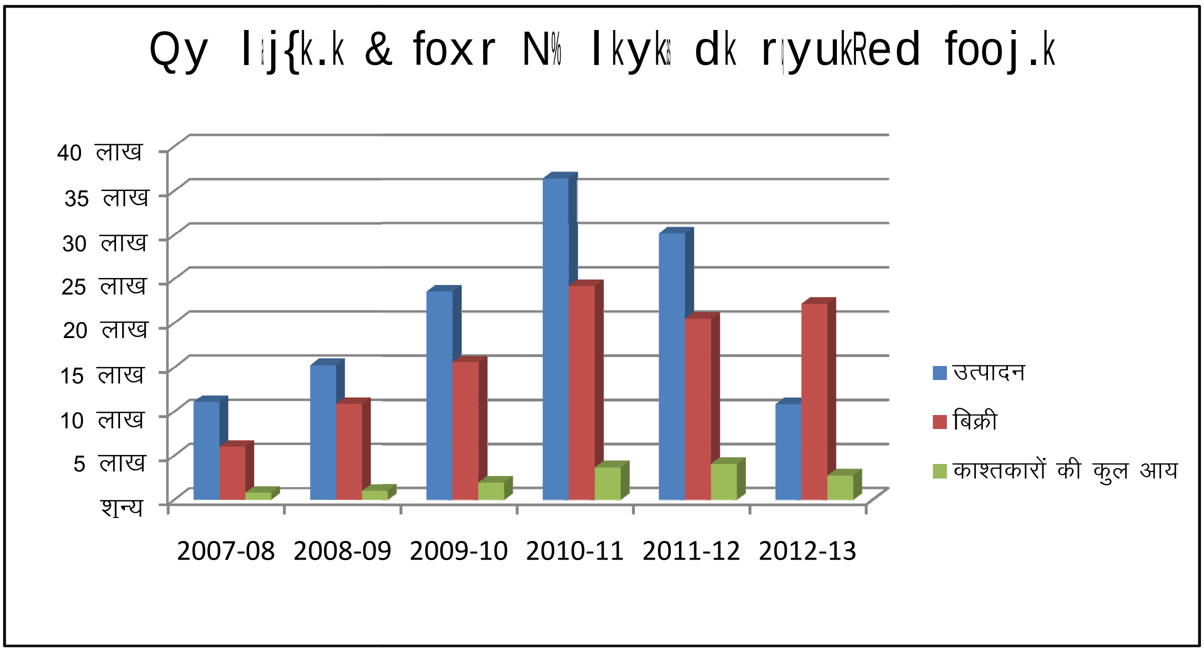

Qy lj{k.k dk;Øe dk Áfr x/kjk lfpr fooj.k rkfydk									
Øe l[;k	x/kjs dk uke	dqy xkao	dqy lewg	dqy lnL;	dqy meqx vi'k /kkjd	dqy mRiknu ¼fd-xzk-½	mRiknu ls vk; ₹	cksul ls vk; ₹	dqy vk; ₹
1	दुसाद	4	5	7	6	1,197	12,734	2,025	14,759
2	गगास अन्य	1	1	2	2	598	2,706	495	3,201
3	हैडवाटर्स	6	7	27	23	2,634	92,344	13,555	1,05,899
4	कनाड़ी	1	1	1	1	113	1,130	207	1,337
5	कोसी	8	6	48	46	4,529	71,538	12,546	84,084
6	कुजगढ़	2	1	3	3	123	2,066	378	2,443
7	माल्यागाड़	5	7	20	17	2,478	32,979	5,567	38,546
8	अन्य	1	0	1	1	90	2,070	379	2,449
9	पनाई	4	9	33	30	2,014	54,062	9,691	63,753
10	रिसकन	1	1	1	1	1	60	11	71
11	सोमेश्वर	1	1	1	1	20	800	146	946
	dqy	34	39	144	131	13]797	2]72]489	45]000	3]17]489

Qy lj{k.k mRiknd Js"B lewg					
Øe	lewg dk uke	x/kjs dk uke	mRiknu ls vk; ₹	cksul ls vk; ₹	dqy vk; ₹
प्रथम	विश्वास समूह (बनोलिया)	पनाई	46,035	8,265	54,300
द्वितीय	किसान समूह (बटुलिया)	कोसी	31,142	5,695	36,837
तृतीय	ज्योति समूह (दलमोटी)	कोसी	15,026	2,748	17,774

ÁFke nl Js"B Qy mRiknd lnL;							
Øe	lnL; dk uke	lnL;rk dkM	lewg dk uke	x/kjs dk uke	mRiknu ls vk; ₹	cksul ls vk; ₹	dqy vk; ₹
प्रथम	गीता रावत	2799	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	16,232	2,968	19,200
द्वितीय	तुलसी राणा	2350	लक्ष्मी समूह (नायल)	हैडवाटर्स	9,716	1,777	11,493
तृतीय	हेमा देवी	2775	(मल्यालगाँव)	माल्यागाड़	7,762	1,419	9,181
चतुर्थ	हेमा देवी	2816	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	7,128	1,303	8431
पंचम्	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	माल्यागाड	6,062	1,109	7,171
षष्टम्	शोभा जोशी	1443	जय देवी माँ समूह (स्यालसुना)	दुसाद	5,894	1,078	6,972
सप्तम्	प्रकाश चन्द्र	2727	कृषक समूह (सतोली)	कोसी	5,760	1,053	6,813
अष्टम्	साबुली देवी	354	विश्वास समूह (बनोलिया)	पनाई	5,534	1,012	6,546
नवम्	गोपुली देवी	2807	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	5,440	995	6,435
दशम्	भगवती देवी	2815	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	5,240	958	6,198

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सदस्या, ग्राम रतखाल की निवासी 'श्रीमती गीता रावत' अपने समूह की कोषाध्यक्षा हैं, उनका घर मुख्य रूप से कृषि व पशुपालन से ही चलता है वह अपने पति के साथ मिल कर अपना सभी कृषि कार्य करती हैं उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2012–13 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाली 144 महिलाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार उनको बधाई देता है।

3- fge[kk| dk;Øe %

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा सन् 2006 से अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है। कार्यक्रम के पिछले N% सालों के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं।

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण योजना को प्रोत्साहन दे रही है। 2011–2012 तक दोसाद क्षेत्र के 45 काश्तकार समूह (480 काश्तकार) इस योजना के अन्तर्गत प्रमाणित किये गये हैं।
समीक्षा वर्ष के दौरान स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 686 किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, ₹ 19]78]633 ¼mUuhl yk[k vBgÙkj gtkj] N% lk rrhl½ की आय अर्जित की। जो हिमखाद्य कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का 38 प्रतिशत है। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में ₹ 75]000¼ipgÙkj gtkj½ बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का 4 ifr'kr अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का 40 प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

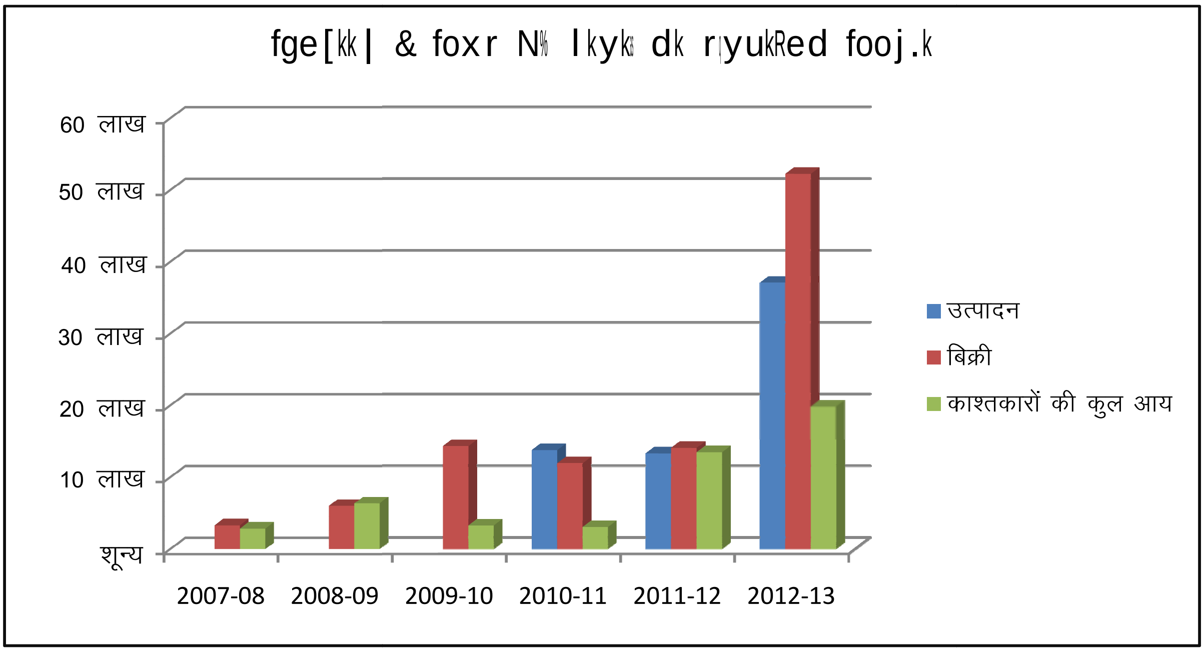

fge[kk| dk;Øe dk Áfr x/kjk lfpr fooj.k rkfydk									
Øe l[;k	x/kj dk uke	dy xko	dy leg	dy lnL;	dy mexz vf'k /kkjd	dy mRiknu ¼fd-xk-½	mRikn ls vk; ₹	ckul ls vk; ₹	dy vk; ₹
1	दुसाद	15	37	192	115	5,771	3,52,193	13,049	3,65,242
2	गगास अन्य	2	2	8	5	103	9,741	297	10,038
3	गगास वैली	1	2	19	15	5,888	42,825	1,745	44,570
4	गरूड़	1	0	1	0	56	896	0	896
5	हैडवाटर्स	5	7	41	33	1,094	75,692	2,974	78,666
6	हिमाचल	33	5	106	84	6,479	8,64,063	33,801	8,97,864
7	कनाड़ी	9	10	31	26	913	36,624	1,504	38,128
8	खिरो	1	0	1	0	8	4,213	0	4,213
9	कोसी	6	5	49	43	3,601	2,62,565	10,410	2,72,975
10	कुजगढ़	1	0	1	1	31	4,650	206	4,856
11	माल्यागाड़	13	23	143	63	1,398	1,32,076	5,059	1,37,135
12	अन्य	9	0	34	3	1,322	1,16,852	3,020	1,19,872
13	पनाई	4	6	10	7	232	6,708	142	6,850
14	रिसकन	6	3	27	4	93	46,435	1,768	48,203
15	सोमेश्वर	6	7	25	25	3,850	23,100	1,025	24,125
	dy	112	107	688	424	30]839	19]78]633	75]000	20]53]633

fge[kk| mRiknd J"B leg					
Øe	leg dk uke	x/kj dk uke	mRikn ls vk; ₹	ckul ls vk; ₹	dy vk; ₹
प्रथम	देव स्थल समूह (खलाड़)	कोसी	1,05,507	4,681	1,10,188
द्वितीय	नव दुर्गा समूह (तल्ला सती नौगाँव)	दुसाद	65,785	2,892	68,677
तृतीय	जय भूमिया समूह (मल्ला सती नौगाँव)	दुसाद	50,187	2,200	52,387

ÁFke nl J"B fge[kk| mRiknd lnL;							
Øe	lnL; dk uke	lnL;rk dkM	leg dk uke	x/kj dk uke	mRikn ls vk; ₹	ckul ls vk; ₹	dy vk; ₹
प्रथम	दीपा सती	1178	नव दुर्गा समूह (त. सती नौगाँव)	दुसाद	41,643	1,847	43,491
द्वितीय	गंगा देवी	2741	देव स्थल समूह (खलाड़)	कोसी	14,283	634	14,917
तृतीय	तुलसी नेगी	1520	जय भूमिया समूह (म. सती नौगाँव)	दुसाद	14,051	623	14,675
चतुर्थ	हेमा देवी	2775	(मल्यालगाँव)	माल्यागाड़	13,540	601	14,141
पंचम्	जानकी देवी	1261	महिला शक्ति समूह (म.स. नौगाँव)	दुसाद	13,335	593	13,927
षष्टम्	कमला सती	1155	नव दुर्गा समूह (त. सती नौगाँव)	दुसाद	13,153	584	13,736
सप्तम्	गोदावरी देवी	1936	जागृति समूह (चमनी)	रिसकन	12,253	544	12,796
अष्टम्	चम्पा देवी	2743	देव स्थल समूह (खलाड़)	कोसी	11,610	515	12,125
नवम्	पाना देवी	2735	देव स्थल समूह (खलाड़)	कोसी	10,850	481	11,331
दशम्	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	माल्यागाड़	10,237	454	10,691

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली सदस्या, ग्राम मल्यालगाँव की निवासी 'श्रीमती हेमा देवी' ने फल उत्पादन कार्यक्रम में भी तृतीय स्थान प्राप्त किया है। vkj हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में दशम स्थान प्राप्त करने वाली सदस्या, ग्राम मुझोली की निवासी 'श्रीमती दीपा देवी' ने फल उत्पादन कार्यक्रम में भी पंचम स्थान प्राप्त किया है।

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सदस्या, ग्राम तल्ला सती नौगाँव की निवासी 'श्रीमती दीपा सती' का परिवार संपन्न होने के पश्चात भी सदैव निरंतर मेहनत पर विश्वास करता है इनके द्वारा उगाये गये उत्पादों की गुणवत्ता सराहनीय है। समीक्षा वर्ष 2012–13 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाली उत्तराखंड की 582 महिलाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार उनको बधाई देता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते स्ट्रॉबैरी व कैमोमाइल का उत्पादन किया गया।

dekekby & foxr rhu o"kk dk fooj.k %

Øe l[;k	o"k	xko	dk'rdkj	mRiknu ¼fdxk0½	vk; ₹	fcØh ₹
1	2010-11	10	15	18	8,700	40,800
2	2011-12	30	118	229	1,14,500	5,37,600
3	2012-13	45	327	773	3,86,463	7,82,973

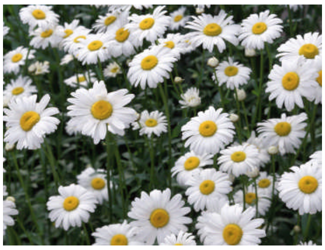

दोनों फसलों की तुलना में काश्तकारों के द्वारा कैमोमाइल की खेती सुलभ होने के कारण इसे बढ़ावा दिया जा रहा है।

4- eku ikyu dk;Øe %

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से ₹ 2]74]436¼nk yk[k] pkgÙkj gtkj] pkj lk NÙkhl½ के शहद का क्रय किया गया। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री ₹ 6]76]805¼N% yk[k] fNgÙkj gtkj] vkB lk ikp½ हुई। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का 40 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष में मौन पालकों को ₹ 5]000¼ikp gtkj½ बोनस के रूप में वितरित किया गया।

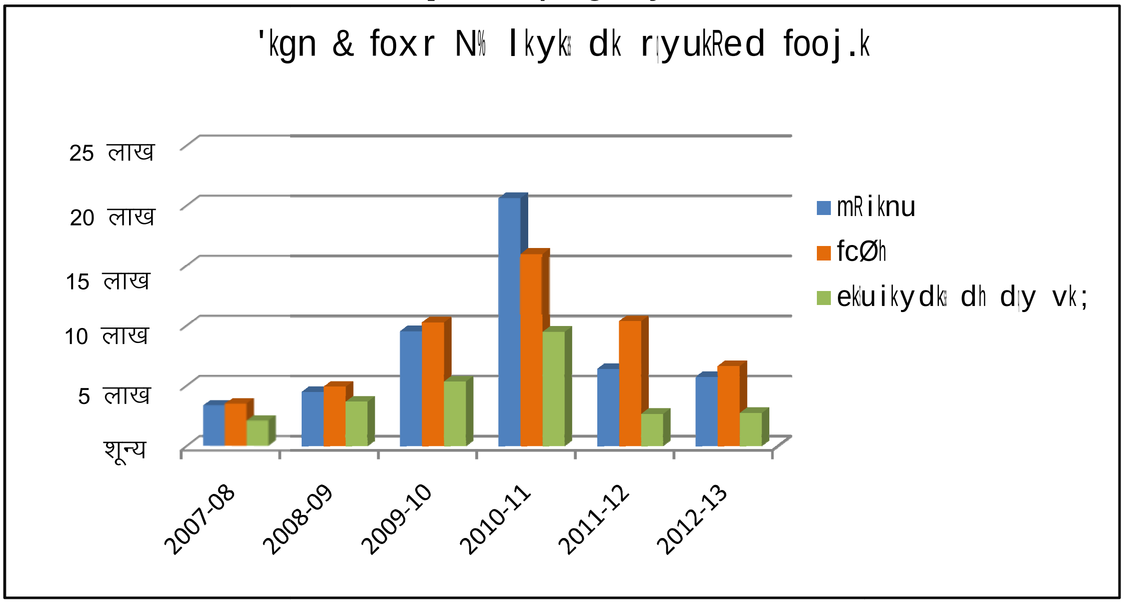

पिछले छः सालों के संरक्षित खाद्य एवं मौन पालन कार्यक्रम के व्यापारिक विवरण पर नजर डालें तो पता चलता है कि कुमाँऊनी उत्पादों ने अपनी अच्छी गुणवत्ता के चलते बाज़ार में मज़बूत पकड़ बनाई है। फल स्वरुप इस कार्यक्रम से जुड़े काश्तकारों को भी उचित लाभ हुआ है।

5- vU; dk;Øe %

eqxhZ ikyu %

उंमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रमों के साथ–साथ, आय अर्जित करने के अन्य साधनों को बढ़ावा देने के लिये अन्य वर्षों की भांति समीक्षा वर्ष में भी, लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा, नैनीताल एवं बागेश्वर ज़िले के 62 xkaoksa के 431 ifjokj इस कार्यक्रम से लाभांवित हुए हैं। समीक्षा वर्ष के दौरान इन काश्तकारों को 4]526 ¼pkj gtkj] ikap lkS NCchl½ मुर्गी के बच्चों का वितरण किया गया। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय लगभग ₹ 3]500 ls ₹ 4]000 तक हो जाती है, इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अंडों के उपभोग से सुधार आया है। अन्य वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष कार्यक्रम में प्रगति पायी गयी है।

ekecÙkh m|ksx %

समीक्षा वर्ष के उपरान्त जीजाबाई समूह मजखाली द्वारा मोमबत्ती उद्योग में कुल उत्पादन 14]500¼pkng gtkj] ikap lkS½ पीस का किया गया जिससे 7 महिलाओं ने कुल ₹ 5,500 ¼ikap gtkj] ikap lkS½ की आय अर्जित की।

?kjsyw i;ZVu %

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले पांच वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को 4 xkaoksa के 17 ifjokjksa में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने औसतन ₹ 12]000 ¼ckjg gtkj½ तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

6- Ekfgyk Lo;a lgk;rk leg & mex mRiknd lxBu

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा 10 गाँवों में 12 नये स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 196 महिलाओं द्वारा सदस्यता ग्रहण की गयी जो अपनी सुविधा अनुसार प्रति माह ₹ 50 से ₹ 100 रुपये तक जमा करती हैं।

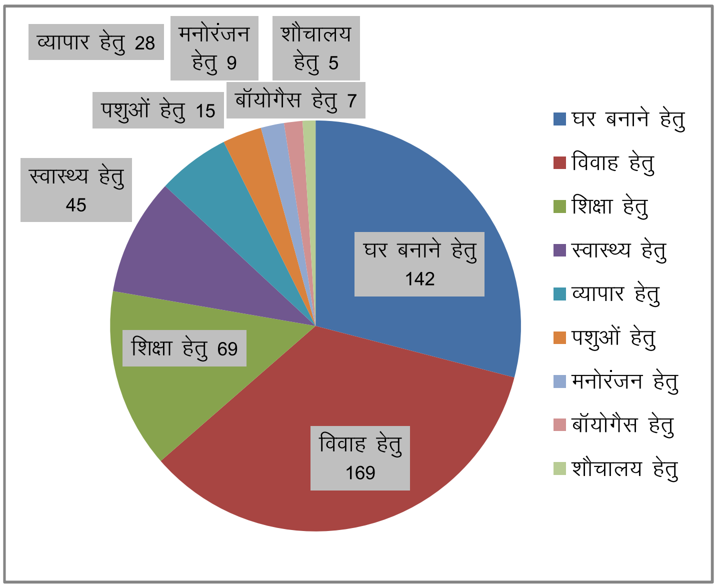

संचित रुप से पिछले दस वर्षों में कुल 206 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिनमें कुल 2,937 (दो हज़ार,नौ सौ सैंतीस) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ₹ 62,00,109 (बासठ लाख, एक सौ नौ) जमा है, (lafpr :Ik ls n[kus ij bu efgykvksa }kjk Åfrfnu ₹ 6]000 vius Lo;a lgk;rk cpr dks"k esa tek fd;k tk jgk gA½

जिस पर समूहों को ₹ 1,54,080 (एक लाख, चौवन हज़ार, अस्सी) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 479 महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ 51,19,583 (इक्यावन लाख, उन्नीस नवासी हज़ार, दो सौ तेरासी) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ 2,90,046 (दो लाख, नब्बे हज़ार, छियालीस) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

बचत एवं ऋण के साथ–साथ 140 (68 %) स्वयं सहायता समूहों के 1,075 (37 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं। उमंग के कुल 1,264 (एक हज़ार, दो सौ चौसठ) सदस्यों में से 252 सदस्य किसी भी समूह से नहीं जुड़े हैं।

समीक्षा वर्ष 2012–13 में समूहों के जरिये महिलाओं को मिलने वाले नेतृत्व, क्षमता विकास और सामाजिक मुद्दों पर पहल के अवसर और उनके सशक्तीकरण की प्रक्रिया से जुड़ाव को जानने व आंकने के लिए सर्वे तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

leg d: lnL;k d: ikfjokfjd Lrj dk lo: fooj.k%

45 गाँवों के 66 स्वयं सहायता समूहों में यह सर्वे किया गया जिसमें कुल 898 महिलाओं में से 421 ¼47%½ महिलाएं बी0 पी0 एल0, 469 ¼52%½ ए0 पी0 एल0 और 8 ¼1%½ अन्त्योदय वर्ग की हैं।

ipk;rh jkt D;k g%

समूह की सदस्यता से पंचायत में भागीदारी तक की यात्रा मूलतः लाभार्थी से नागरिकता का सफर है, समूह में जहां महिलाएं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन व संस्थागत् लक्ष्य को पाने का माध्यम होती हैं, वहीं पंचायतों में भागीदारी उनके नागरिकता के अधिकार को स्थापित करती हैं। इसके जरिये वे न केवल सत्ता का हिस्सा बन समुदाय स्तर पर निर्णय प्रक्रियाओं से जुड़ सकती हैं, बल्कि प्रशासन व राज्य की जवाबदेही की मांग भी कर सकती हैं। स्वयं सहायता समूहों को यदि महिला सशक्तीकरण का एक अस्त्र माना जा रहा है तो उसके पंचायत के साथ जुड़ाव को समझना आवश्यक है।

ipk;rh jkt dk lo: fooj.k%

45 गाँवों के 66 स्वयं सहायता समूहों में यह सर्वे किया गया जिसमें कुल 1]248 महिलाओं में से 9 महिलाएं ग्राम प्रधान, 1 उप ग्राम प्रधान, 22 आंगनबाड़ी शिक्षिकाएं, 7 भोजन माता, 6 पंचायत सदस्य और 15 आशा कार्यकर्ता हैं। संचित रूप से 5% स्वयं सहायता समूहों के सदस्य अन्य विकास कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

Áolu dk lo: fooj.k%

आजीविका की खोज में पहाड़ी क्षेत्रों से मैदानी क्षेत्रों में तेजी से प्रवसन/पलायन हो रहा है। पुरूषों और बच्चों के प्रवसन से गाँवों की महिलाओं पर काम का अत्यधिक बोझ पड़ रहा है, महिलाओं पर घरेलू कार्यों के अतिरिक्त खेती व बच्चों के पालन की भी जिम्मेदारी है, इसीलिए कुछ महिलाएं उमंग के आजीविका विकास कार्यक्रमों में खुल कर भाग नहीं ले पाती हैं।

आंकड़ों के अनुसार पता चला कि 34 गाँवों के 75 स्वयं सहायता समूहों में यह सर्वे किया गया जिसमें कुल 1]114 महिलाओं में से 25 महिलाओं का विवाह के कारण बाहरी राज्यों में प्रवसन हुआ है, 260 पुरूषों और 240 बच्चों को आजीविका व शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त करने हेतु बाहर जाना पड़ा है।

7- {kerk of) dk;Øe %

अपने सामाजिक एवं व्यवसायिक लक्ष्य की पूर्ति के लिए उमंग अपने संगठन से जुड़ी महिलाओं की क्षमता वृद्धि के लिए वचन बद्ध है। समीक्षा वर्ष के दौरान कई क्षमता वृद्धि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समीक्षा वर्ष में स्वयं सहायता समूहों की क्षमता वृद्धि के लिए 204 समूहों में कुल 350 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें समूह की महिलाओं को वित्तीय लेखा–जोखा व प्रस्ताव खातों को व्यवस्थित रखना तथा उन्हें भली प्रकार संचालित करना सिखाया गया, इसके अलावा इन कार्यशालाओं में उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी की संपूर्ण जानकारी, उत्पादक का महत्व व उसका कंपनी पर मालिकाना हक़ तथा आय बढ़ाने के अन्य साधनों पर भी चर्चा की गयी। सभी समूहों के उचित संचालन हेतु उमंग द्वारा उनकी समीक्षा एवं अंकेक्षण भी किया गया।

इन महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई अन्य विकास कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत 5 गधेरों के 47 गाँवों में 9 प्रजातियों के कुल 12,876 (बारह हजार आठ सौ छिहत्तर) फलदार पेड़ों तथा 35 प्रजातियों के कुल 1,52,357 (एक लाख, बावन हजार, तीन सौ सत्तावन) स्थानीय पेड़ों का वितरण व बुवाई का काम किया गया।

दिल्ली में होने वाले एफ़0 टी0 एफ़0 (फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम) द्वारा आयोजित मेले में उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला में उमंग कार्यकर्ताओं द्वारा भाग लिया गया, जिसमें उन्होंने उमंग के उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई, जिसके कारण आने वाले समय में उमंग के उत्पादों का विदेशों में विक्रय संभव हो सकता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस '8 मार्च' को उमंग की महिलाओं द्वारा बड़े उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राधा बहन, कस्तूरबा महिला उत्थान मंडल, कौसानी, ने उमंग के सदस्यों द्वारा संचालित गधेरा बचाओ अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए किये कार्यों की सराहना करते हुए सभा में उपस्थित महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस सभा में लगभग 1,000 (एक हजार) से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। सभी महिलाओं ने उमंग के साथ अपने अनुभवों को बांटा और अतिथियों के मनारंजन हेतु नाटक व नृत्य भी प्रदर्शित किया। सभा के अन्त में समीक्षा वर्ष में घोषित सर्वश्रेष्ठ सदस्यों को पुरस्कृत भी किया गया।

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय 17 निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा ₹ 9]95]500 ¼uk yk[k] ipkuc gtkj] ikp lk½ की आय अर्जित की गयी। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को 2]647 ¼nk gtkj] N% lk lrkyhl½ मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ₹ 3]30]888 ¼rhu yk[k] rhl gtkj] vkB lk vBklh½ की आय अर्जित की।

lf{kIr :Ik e lehf{kk o"k d nkjku m|erk d fodkl e mex ,d mRiknd dh Hkfedk fuHkku e l{ke jgh ,o ifj.kke Lo:Ik {k= d 1]327 ¼,d gtkj] rhu lk lÙkbl½ ifjokjk u ₹ 62]57]485¼ckl B yk[k] lÙkkou gtkj] pkj lk cÙkhl½ dh fujUrj iijd vk; vftr dj ¼Áfr lnL; ₹ 4]700½ dekÄ dh xkeh.k vFk0;oLFkk d fodkl e viuk ;kxnku fn;kA

vkHkkj

efgyk mex ikM;lj dEiuh dh okf"kd if=dk dk lekiu djr g;s ge viu lHkh xkgdk] fe=k ,o 'kHkfpUrdk] foÙkh; lLFkkvk] ljdkjh ,o lLFkkxr lg;kfx;k] Qy ,o [kk| lj{k.k vf/kdkfj;k] gekj }kjk mRikfnr lkeku d lHkh foØrk] leLr mRiknd efgykvk ,o dk'rdkjk dk vkHkkj idV djr gA

mex dh lQyrkvk dh dgkfu;k

Jherh clrh iokj

श्रीमती बसन्ती पवार जी रायस्टेट, रानीखेत की निवासी हैं, इनकी आजीविका चाय की दुकान से चलती है। उमंग के बुनाई कार्यक्रम से जुड़कर वे

स्वयं सहायता समूह की कोषाध्यक्षा बनीं, उनको चार बार बुनाई कार्यक्रम में श्रेष्ठ आने हेतु पुरस्कार मिला। वर्ष 2009 में महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कंपनी की प्रथम सदस्या बनीं। सितंबर 2011 में उमंग की अध्यक्षा बनीं, वर्तमान में वह इसी पद पर कार्यरत हैं व अपनी भूमिका को बड़ी निपुणता तथा कार्यकुशलता से निभा रही हैं।

Jherh 'kgukt cxe

श्रीमती शहनाज़ बेगम जी ग्राम मजखाली की निवासी हैं, उनके पास ज़मीन न होने के कारण उन्हें रोज़गार की अत्यधिक आवश्यकता थी, उमंग

के साथ 11 वर्ष तक बुनाई कार्यक्रम से जुड़े रहने के उपरान्त, ऊन को प्राकृतिक रंगों से रंगने के कार्यक्रम से जुड़ीं। धीरे धीरे वे बुनाई, फल संरक्षण तथा प्राकृतिक रंगाई के कार्यों में दक्ष हो गयीं। अब वे महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कंपनी में कार्यरत् हैं व अपने परिवार का खर्चा उठाने में सक्षम होने के साथ ही समाज में अपनी एक पहचान बना चुकी हैं।

,d l vf/kd vkthfodk dk;Øek l ÁkIr dy vk; d vk/kkj ij J"B LFkku ikIr legk rFkk lnL;k dh lph

dy ;kfxd dk;Øe % fooj.k rkfydk

Øe l[;k	x/kj dk uke	dy xko	,l- ,p- th	dy ÁfrHkkxh	dy mex v'k /kkjd	,l-,p- th lnL;	fge[kk| mRikn	Qy mRikn	cudj	eku ikyd	,d l vf/kd dk;Øe e tM lnL;
1	दुसाद	15	40	273	192	251	192	7	177	–	102
2	गगास अन्य	4	8	109	105	103	8	2	102	–	2
3	गगास वैली	2	3	35	31	31	19	–	16	–	0
4	गरूड़	1	–	1	–	–	1	–	–	–	0
5	हैडवाटर्स	7	8	54	44	44	41	27	–	–	14
6	हिमाचल	33	5	106	84	104	106	–	–	–	0
7	कनाड़ी	11	15	86	81	84	31	1	66	–	12
8	खिरो	2	1	11	8	10	1	–	10	–	0
9	कोसी	10	9	132	121	120	49	48	65	–	30
10	कुजगढ़	4	7	102	99	101	1	3	101	–	3
11	माल्यागाड़	14	25	148	67	110	143	20	–	1	17
12	अन्य	13	1	42	9	5	34	1	–	7	0
13	पनाई	4	10	69	62	68	10	33	43	–	17
14	रिसकन	6	3	37	14	26	27	1	10	–	1
15	सोमेश्वर	7	10	122	118	122	25	1	121	–	24
	dy	133	145	1]327	1]035	1]179	688	144	711	8	222

dy ;kfxd vk; J"B leg

Øe	leg dk uke	x/kj dk uke	mRikn l vk; ₹	cku l vk; ₹	dy vk; ₹
प्रथम	नव दुर्गा समूह (तल्ला सती नौगाँव)	दुसाद	87,455	4,780	92,235
द्वितीय	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	75,855	6,610	82,465
तृतीय	लक्ष्य समूह (मालरोड)	गगास अन्य	75,835	6,463	82,298

dy ;kfxd vk; J"B lnL; ¼cukb] Qy mRiknu] fge[kk|½

Øe	lnL; dk uke	lnL;rk dkM	leg dk uke	x/kj dk uke	mRiknk l dy vk; ₹	cku l vk; ₹	dy vk; ₹
प्रथम	मंजू तिवारी	593	पूजा समूह (बैगनिया)	सोमेश्वर	9,203	812	10,015
द्वितीय	जानकी जोशी	210	आंचल (तल्ली मिरई)	दुसाद	7,467	833	8,300
तृतीय	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	गगास अन्य	6,772	702	7,473
चतुर्थ	दुर्गेश्वरी अधिकारी	4	मात्रशक्ति समूह (क्वैराला)	कोसी	4,956	541	5,497

funs’kd e.My

Jherh clUrh iokj] jk;LVsV] jkuh[ksr pS;j ilu

Jherh bfUnjk jkor] ekyjksM] jkuh[ksr

Jherh lquhrk vk;kZ dkfydk] jkuh[ksr dk;Zdkjh funsf’kdk

Jherh ehuk vf/kdkjh] uSuh

Jherh eatq frokjh] cxfu;k] lkses’oj

Jherh bUnk dcMoky mH;kMh

Jherh yfyrk nsoh cVsfy;k

Jherh uhek fc"V MkMk[kky] dukMh

Jherh jk/kk lrh lrh ukxko] nslkn

meix xhr

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।

Ekfgyk mex ikM;lj dEiuh fyfeVM

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा
फ़ोन नं0 05966 – 240430, 221516
Email – umang@grassrootsindia.com
w.w.w. umang-himalaya.com